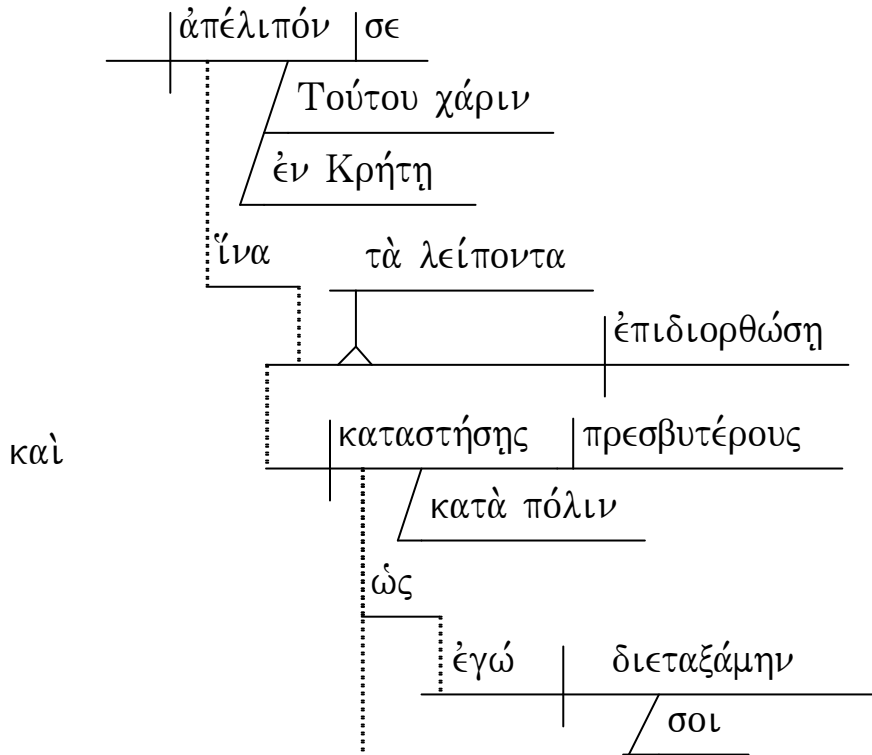
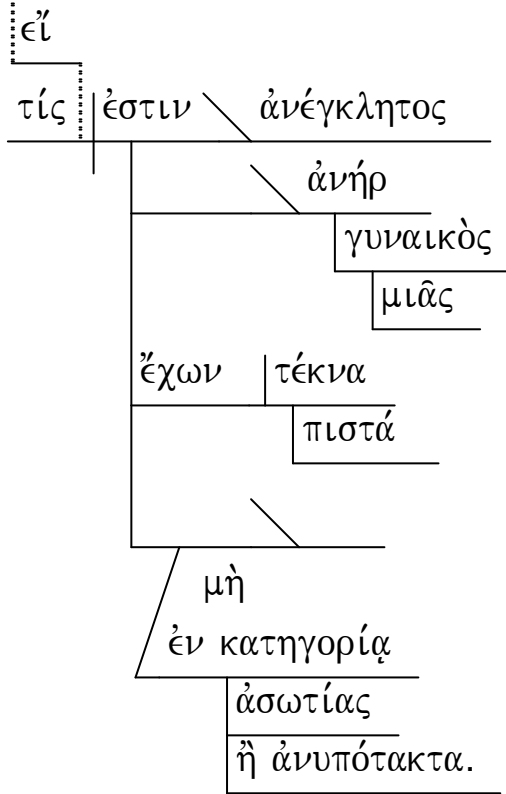


Tit 1:5



Tit 1:6



Tit 1:7

γάρ

δεῖ	τὸν ἐπίσκοπον	εἶναι	ἀνέγκλητον
-----	---------------	-------	------------

ὡς	οἰκονόμον	θεοῦ
----	-----------	------

αὐθάδη

μὴ ὀργίλον

μὴ πάροινον

μὴ πλήκτην

μὴ αἰσχροκερδῆ

μὴ φιλόξενον

μὴ φιλάγαθον

μὴ σώφρονα

μὴ δίκαιον

μὴ ὄσιον

μὴ ἐγκρατῆ

Tit 1:8

ἀλλὰ

ἀντεχόμενον	τοῦ λόγου
-------------	-----------

Tit 1:9

πιστοῦ	κατὰ τὴν διδαχὴν
--------	------------------

**Tit 1:9**

